Current Content Alert Services

MONTH *September* YEAR ***2022***

Compiler : Y.K.Rajoriya

LIBRARY
REGIONAL INSTITUTE OF EDUCATION
(NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING)
Capt. D.P. Choudhary Road, Ajmer - 305004
E-mail: rieajmer@yahoo.com Phone: 0145-2643721, 2643864; (Fax) 2643862

Library

RIE, Ajmer

S.No.	Name of Journals	Vol.No.	Pages
1	आविष्कार	52(9)	1
2	अनौपचारिका	49(9)	2
3	गंगनाचल	45(3)	3-4
4	गवेषणा	127(1)	5-6
5	हंस	37(2)	7
6	Journal of Computer Assisted Learning	38(4)	8-9
7	कथादेश	40(6)	10
8	मधुमती	62(9)	11-12
9	साहित्य अमृत	28(2)	13
10	Social Action	72(3)	14
11	University News	60(34-38)	15-19

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

आविष्कार, वर्ष 52 अंक 9, सितम्बर, 2022

आविष्कार

क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 06/9/2022
हस्ताक्षर

सितम्बर 2022, वर्ष 52, अंक 9 ISSN 0970-6607

लेख

मंकीपॉक्स – एक नई स्वास्थ्य समस्या
— डॉ. पीयूष गोयल 5

क्वांटम कम्प्यूटर – मंजिल अभी दूर है
— डॉ. प्रदीप कुमार मुखर्जी 12

कॉर्निया प्रत्यारोपण : जीवन में उजियारे की नई किरण
— डॉ. शुभ्रता मिश्रा 17

विविधा

कैंसर उपचार के क्षेत्र में डोस्टरलिमैब एक नई उम्मीद
— डॉ. अनुपमा गुप्ता एवं डॉ. संजय नंदेश्वर 25

भोपाल में आयोजित हुआ 12वां राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव 29

विज्ञान साहित्य चर्चा

वैज्ञानिक विमर्श के विषयों पर केंद्रित पुस्तक - *विज्ञान विमर्श*
— सूर्य कांत शर्मा 33

खेल-खेल में विज्ञान

गुब्बारे में हवा का दाब
— दुष्यन्त कुमार अग्रवाल 35

अनुसंधान और विकास

स्मार्टफोन से जान सकेंगे भोजन में कीटनाशकों की मात्रा
— डॉ. शुभ्रता मिश्रा 37

समाचारिकी 38-47

तुलसी पत्तों के यौगिकों से मस्तिष्क विकारों संभव हो सकेगा इलाज; बोन चाइना और ग्रेनाइट अपशिष्टों से तैयार की उच्च गुणवत्ता की कंक्रीट; अस्थि पुनर्जनन के लिए नैनोफाइब्रस ढांचा; फॉरेंसिक अनुप्रयोगों के लिए विकसित किया सीईडीआरएनएन
— डॉ. शुभ्रता मिश्रा 38-42

व्हेल शार्क विश्व की सबसे बड़ी सर्वभक्षी; चांद से पृथ्वी पर लाई मिट्टी पर पहली बार उगाए गए पौधे; संज्ञानात्मक प्रकार्य को घटा सकती है शरीर में संचित वसा; पृथ्वी में छिपे ताजे पानी का पता लगाएगा एसडब्ल्यूओटी उपग्रह
— डॉ. प्रदीप कुमार मुखर्जी 42-47

एनआरडीसी समाचार 48-49

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कमोडोर अमित रस्तोगी (से.नि.)

प्रमुख
एन.जी. लक्ष्मीनारायण

संपादक
डॉ. अंकिता मिश्रा

विक्रय

प्रबंधक
स्मिता पाराशर

प्रकाशन अधिकारी
खेमचंद

अधीक्षक
बी. वी. मुरालीकृष्णन

वितरण
अरविन्द कौशिक
दीपक तुली
प्रवीन राजौरा
जयसिंह

नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कारपोरेशन
[वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का उद्यम]
20-22, जमरूदपुर सामुदायिक केंद्र
कैलाश कॉलोनी एक्सटेंशन
नई दिल्ली-110048

फोन : 29240401-07
फैक्स : 091-11-29240409, 29240410
ई-मेल : ankita@nrdc.in, editors.nrdc@gmail.com, khemchand@nrdc.in, write2@nrdc.in
वेबसाइट : www.nrdcindia.com
CIN : U74899 DL 1987 GOI 002354

आवरण चित्र (साभार: डब्ल्यूएचओ)
डिजाइनर: शाहिद इकबाल

• 'आविष्कार' नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कारपोरेशन (एनआरडीसी) द्वारा प्रकाशित विज्ञान और प्रौद्योगिकी की लोकप्रिय विज्ञान मासिक पत्रिका है। • 'आविष्कार' में किसी लेख के प्रकाशन हेतु चयन के संदर्भ में संपादक का निर्णय अंतिम होगा। प्रकाशित लेखों और लेखकों द्वारा भेजे गए चित्रों की मौलिकता के संबंध में लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। • 'आविष्कार' में प्रकाशित सामग्री का किसी भी रूप में उपयोग करने से पूर्व संपादक की अनुमति लेना आवश्यक है। • 'आविष्कार' में प्रकाशित किसी यांत्रिक, वैद्युत, इलेक्ट्रॉनिक आदि युक्ति के काम न करने की स्थिति में पत्रिका/एनआरडीसी उसके लिए उत्तरदायी नहीं होगी। • 'आविष्कार' में प्रकाशित विज्ञापनों में किए गए दावों के लिए पत्रिका और एनआरडीसी उत्तरदायी नहीं होगी।

आविष्कार का सदस्यता शुल्क: एक प्रति: ₹50; वार्षिक: ₹550; द्विवार्षिक: ₹1,100; त्रिवार्षिक: ₹1,650

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

अनौपचारिका, वर्ष 49 अंक 9 , सितम्बर, 2022

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सहचित्तमेषाम्।
समानं मन्त्रमभिमन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि।।
समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।। ऋग्वेद

के.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 02/9/2022
हस्ताक्षर

अनौपचारिका

समकालीन शिक्षा-चिन्तन की पत्रिका

वर्ष : 49 अंक : 9 भाद्रपद-आश्विन वि.सं. 2078 सितम्बर, 2022

क्र म

वाणी

3. इशोपनिषद्

अपनी बात

5. साक्षरता जन चेतना का सशक्त माध्यम

लेख

6. युवाओं की जरूरतों को नहीं, उनकी इच्छाओं को समझना जरूरी
– आकाश सेठी

10. शिक्षा में पारंपरिक विषयों को आपस में जोड़ने की जरूरत
– आशीष धवन
– प्रमथराज सिन्हा

12. बागियों के हृदय परिवर्तन का अभिनव उदाहरण
– डॉ. अवध प्रसाद

कविताएं

14. शिक्षक दिवस पर...

लेख

16. राजनीति में शक्ति की पुनर्प्रतिष्ठा
– अम्बिकादत्त शर्मा
– डॉ. विश्वनाथ मिश्र

19. सुशासन व्यवस्था से ही संभव है समेकित विकास **– डॉ. देवेन्द्र कोठारी**

डा. छगन मोहता स्मृति व्याख्यान

21. व्यक्ति और सत्ता के बीच द्वंद्व की पड़ताल की प्रियंवद ने

पर्यावरण

22. अर्जुन वृक्ष **– देवेन्द्र भारद्वाज**

पुस्तक परिचय

23. मस्जिद में ब्राह्मण : सृजनात्मक जीवनी
– सुज्ञान मोदी

स्मृति शेष

25. किशोर संत-ताकि हम नायक को भूल न जाएं
– सन्नी सेबेस्टियन

26. **समाचार**

आवरण : राजेन्द्र सिंह शेखावत
दीया बाहर का अंधकार दूर करता है और किताबें हमारे अंतस को आलोकित करती हैं।

राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति
7-ए, झालाना डूंगरी संस्थान क्षेत्र,
जयपुर-302004
फोन : 2700559, 2706709, 2707677
ई-मेल : raeajaipur@gmail.com

संरक्षक :
श्रीमती आशा बोथरा
संपादक :
राजेन्द्र बोड़ा
कार्यकारी संपादक :
प्रेम गुप्ता
प्रबंध संपादक :
दिलीप शर्मा

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

गगनांचल वर्ष 45 अंक 3 मई-जून, 2022

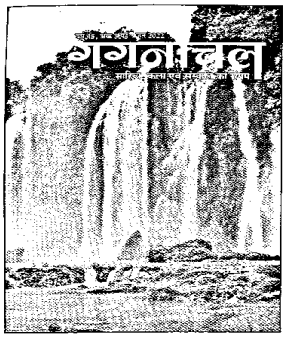

अजमेर
दिनांक 02/9/2022

ISSN : 0971-1430

गगनांचल

साहित्य, कला एवं संस्कृति का संगम

वर्ष 45 अंक 3 मई - जून 2022

इस अंक के आकर्षण

भगवान विष्णु का परशुरामावतार

हिंदी सिनेमा में विस्थापन का प्रभाव

विस्थापन की त्रासदी और हिंदी उपन्यास

सांस्कृतिक विरासत का धनी: मेरा प्रिय भारत

मॉरीशस के उपन्यासों में सांस्कृतिक चिंतन

समकालीन संदर्भ में गुरु जाम्भोजी का पर्यावरण बोध

अमृत महोत्सव: विकास के रास्ते 'वोकल फॉर लोकल'

हिंदीतर प्रदेश त्रिपुरा में हिंदी भाषा व साहित्य: एक अवलोकन

प्रकाशक

कुमार तुहिन

महानिदेशक

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

संपादक

डॉ. आशीष कंधवे

प्रकाशन सामग्री भेजने का पता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

आजाद भवन, इंद्रप्रस्थ एस्टेट,

नई दिल्ली-110002

ई-मेल : pohindi.iccr@nic.in

गगनांचल अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
http://www.iccr.gov.in/Publication/Gagananchal
पर क्लिक करें।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक	:	₹ 500
		यू.एस $ 100
त्रैवार्षिक	:	₹ 1200
		यू.एस. $ 250

उपर्युक्त सदस्यता शुल्क का अग्रिम भुगतान 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली' को देय बैंक ड्राफ्ट/मनीऑर्डर द्वारा किया जाना श्रेयस्कर है।

मुद्रण : स्पेस 4 बिजनेस सोल्यूशन्स प्रा. लि. दिल्ली

गगनांचल में प्रकाशित लेखादि पर प्रकाशक का कॉपीराइट है किंतु पुनर्मुद्रण के लिए आग्रह प्राप्त होने पर अनुमति दी जा सकती है। अतः प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना कोई भी लेखादि पुनर्मुद्रित न किया जाए। गगनांचल में व्यक्त विचार संबद्ध लेखकों के होते हैं और आवश्यक रूप से परिषद की नीति को प्रकट नहीं करते। प्रकाशित चित्रों की मौलिकता आदि तथ्यों की जिम्मेदारी संबंधित प्रेषकों की है, परिषद की नहीं।

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

गगनांचल वर्ष 45 अंक 3 मई-जून, 2022

अनुक्रम

वर्ष 45, अंक 3, मई - जून 2022

प्रकाशकीय
3 कुमार तुहिन

संपादकीय
4 **सांस्कृतिक समरसता: राष्ट्र का सर्वमंगल**
डॉ. आशीष कंधवे

सांस्कृतिक-चिंतन
7 **श्री अरविंद के आलोक में संस्कृति दर्शन**
डॉ. श्रुति मिश्रा

अध्यात्म-चिंतन
11 **भगवान विष्णु का परशुरामावतार**
अमिय भूषण

साहित्य-चिंतन
15 **हिंदीतर प्रदेश त्रिपुरा में हिंदी भाषा व साहित्य: एक अवलोकन**
डॉ. कालीचरण झा

राष्ट्र-चिंतन
18 **सांस्कृतिक विरासत का धनी: मेरा प्रिय भारत**
प्रीति खरे

कथा-सागर
19 **देश बड़ा या घर**
कोमल
33 **रूम हीटर**
श्यामल बिहारी महतो

तत्त्व-चिंतन
36 **गुरु जाम्भोजी: तत्त्व-चिंतन और उच्च जीवनादर्श का आग्रह**
डॉ. आनंद पाटिल
40 **समकालीन संदर्भ में गुरु जाम्भोजी का पर्यावरण बोध**
डॉ. सीमा रानी

लोक-चिंतन
44 **आदिवासी समाज की संस्कृति**
नवीन चंद पटेल
48 **छत्तीसगढ : पारंपरिक पूजा-पद्धति एवं लोक-पर्व के प्रमुख आयाम**
चुन्नीलाल साहू

सामयिक-चिंतन
56 **नई शिक्षानीति: विद्यालयी शिक्षा में संभावनाएं और चुनौतियाँ**
शीतल चौधरी

देश-देशांतर
58 **जर्मनी में हिंदी भाषा का अध्यापन**
सुशील शर्मा 'हक'

स्वास्थ्य-चिंतन
61 **योग भगाए रोग**
डॉ. अनिल चतुर्वेदी

सिनेमा-चिंतन
63 **हिंदी सिनेमा में विस्थापन का प्रभाव**
अभिनव प्रकाश

विचार-चिंतन
66 **टेक्नोलॉजी एवं शिक्षा**
अखिलेश कुमार गुप्ता

शोध-चिंतन
67 **विस्थापन की त्रासदी और हिंदी उपन्यास**
डॉ. देवी प्रसाद तिवारी
71 **मॉरीशस के उपन्यासों में नशे की समस्या: एक आलोचनात्मक अध्ययन**
शालेहा प्रवीन
75 **अमृत महोत्सव: विकास के रास्ते 'वोकल फॉर लोकल'**
डॉ. विशाल मिश्रा

साक्षात्कार
81 **वाद, विवाद, पंथ, खेमे सब खोखले है: नीरजा माधव**
साक्षात्कारकर्त्ता-राहुल द्विवेदी

समीक्षा-पर्व
85 डॉ. रवि शंकर शुक्ल/**भारतीय ज्ञानपरंपरा...**
86 डॉ. लहरी राम मीणा/**गर्म रोटी के ऊपर...**
87 डॉ. मृगेन्द्र राय/**सुषेण पर्व: द्वंद्व...**

काव्य-मधुबन
89 विवेक गौतम
90 अनिल वर्मा मीत
91 सुशील साहिल
92 सोनिया अक्स
93 **गतिविधियाँ : आई.सी.सी.आर.**

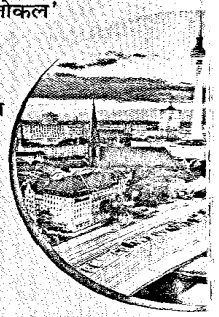

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

गवेषणा वर्ष 127 अंक 1 जनवरी-मार्च, 2022

के.हि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 14/9/2022
हस्ताक्षर

यूजीसी केयर लिस्ट सं. 25
पीयर रिव्यूड रेफर्ड जर्नल

ISSN 0435-1460

के.हि.सं. गवेषणा

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण तथा साहित्य-चिंतन की शोध–पत्रिका

अंक–127 : पौष–फाल्गुन, 2078/जनवरी–मार्च, 2022

संरक्षक
अनिल शर्मा 'जोशी'
उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
ई–मेल: vicechairmankhs@gmail.com

प्रधान संपादक
प्रो. बीना शर्मा
निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
ई–मेल: directorkhs1960@gmail.com

परामर्श मंडल

प्रो. गोपीनाथन
पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी, वि.वि., वर्धा

प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
पूर्व प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रो. हरिश्चन्द्र मिश्र
पूर्व प्रोफेसर, हिंदी भवन वि. भारती शांति निकेतन,
पश्चिम बंगाल–731235

प्रो. गजानन चव्हाण
पूर्व प्रोफेसर, हिंदी विभाग सावित्री बाई फूले वि.वि., पुणे

प्रो. अवधेश कुमार मिश्रा
भाषाविज्ञान विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा
विश्वविद्यालय, शिलांग परिसर, शिलांग–793022 (मेघालय)

प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

डॉ. अभिनव कुमार मिश्रा
अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी–221005 (उ.प्र.)

प्रो. राजेश कुमार
सदस्य, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

जे.पी. पाण्डेय
निदेशक, स्कूली शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक
डॉ. सपना गुप्ता
विभागाध्यक्ष,
अनुसंधान एवं भाषा विकास विभाग,
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
ई–मेल: drsapnagupta123@gmail.com

सह–संपादक
डॉ. कृष्ण कुमार पाण्डेय
क्षेत्रीय निदेशक,
केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र,
ई–मेल: rdshillong1976@gmail.com

प्रकाशन प्रबंधक
डॉ. निरंजन सिंह
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

अनुसंधान एवं भाषा विकास विभाग

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा–282005, दूरभाष : 0562-3554938

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

गवेषणा वर्ष 127 अंक 1 जनवरी-मार्च, 2022

अनुक्रम

प्रधान संपादकीय/ **प्रो. बीना शर्मा**		4
संपादकीय/ **डॉ. सपना गुप्ता**		5–7
संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषाएँ एवं हिंदी	**महावीर सरन जैन**	8–15
त्रिनिदादी हिंदी–इतिहास, स्वरूप और चुनौतियाँ	**विमलेश कान्ति वर्मा**	16–35
हिंदी और ब्रजभाषा में प्रयुक्त सर्वनाम और उनके प्रयोग	**शेफाली चतुर्वेदी**	36–51
अहिंदी भाषी प्रदेशों में हिंदी भाषा, समाज और संस्कृति के समसामयिक सरोकार	**पुरुषोत्तम कुंदे**	52–61
हिंदी: उद्भव एवं विकास	**कृपाशंकर**	62–69
'राम की शक्ति–पूजा' में ध्वनि–स्तर के समांतरतामूलक शैलीपरक लक्षण	**विजय विनीत**	70–77
जनभाषा छत्तीसगढ़ी और हलबी के वाक्यों का तुलनात्मक अध्ययन	**हितेश कुमार**	78–91
भाषा, संस्कृति और समाज: मानवीय मूल्यों के निकष	**चंद्रकांत तिवारी**	92–114
बहुभाषिकता समस्या नहीं, बल्कि अद्वितीय संसाधन है	**ऋषि भूषण चौबे**	115–121
प्रगतिशील लेखक संघ: कुछ और सच्चाइयाँ	**कमल किशोर गोयनका**	122–125
साहित्य में भाषा की समस्या	**गिरिराज शरण अग्रवाल**	126–134
निर्मला पुतुल की काव्य भाषा का सौंदर्य: एक प्रयोगात्मक विश्लेषण	**विद्या ए.एस.**	135–144
हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी लोक साहित्य में राम और कृष्ण कथा का समीक्षात्मक अवलोकन	**रवि कुमार गोंड़**	145–151
हिंदी साहित्य में लोक संस्कृति के विविध रंग	**अर्चना त्रिपाठी**	152–159
स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी साहित्य की भूमिका	**रामकृष्ण**	160–169
हिंदीतर वैष्णव कवयित्रियों का साहित्यिक अवदान	**नवनीत आचार्य**	170–176
'तमस' में सांप्रदायिकता की पीड़ा	**अमित कुमार यादव**	177–183

इस अंक के लेखक

सदस्यता फार्म

लेखकों से निवेदन

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

हंस, वर्ष 37 अंक 2, सितम्बर, 2022

संपादक
संजय सहाय
प्रबंध निदेशक
रचना यादव
कार्यालय व्यवस्थापक
वीना उनियाल
प्रसार एवं लेखा प्रबंधक
हारिस महमूद
शब्द-संयोजन एवं रूपांकन
प्रेमचंद गौतम
सोशल मीडिया
नाजरीन
कार्यालय सहायक
किशन कुमार, दुर्गा प्रसाद
मुख्य प्रतिनिधि (उ.प्र.)
राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल

कार्यालय
अक्षर प्रकाशन प्रा. लि.
4229/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-2
व्हाट्सऐप : 9717239112
दूरभाष : 011-41050047
ईमेल : editorhans@gmail.com
वेबसाइट : www.hanshindimagazine.in

इस अंक का मूल्य : 75 रुपए प्रति
मूल्य : 50 रुपए प्रति
वार्षिक : 500 रुपए (व्यक्तिगत)
रजिस्टर्ड : 800 रुपए
संस्था/पुस्तकालय : 700 रुपए (संस्थागत)
रजिस्टर्ड : 1000 रुपए
आजीवन : 15,000 रुपए
विदेशों में : 80 डॉलर
सारे भुगतान मनीऑर्डर/चैक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. (Akshar Prakashan Pvt. Ltd.) के नाम से किए जाएं.

हंस/अक्षर प्रकाशन प्रा.लि. से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे. अंक में प्रकाशित सामग्री के पुनर्प्रकाशन के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य है. हंस में प्रकाशित रचनाओं में विचार लेखकों के अपने हैं. उनसे हंस की सहमति अनिवार्य नहीं है. साथ ही उनके मौलिक या अप्रकाशित होने का उत्तरदायित्व संपादक और प्रकाशक का नहीं है बल्कि यह दायित्व रचनाकार का है.

प्रकाशक/मुद्रक : **रचना यादव खन्ना** द्वारा अक्षर प्रकाशन प्रा. लि., 4229/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित एवं चार दिशाएं, जी-39/40, सेक्टर-3, नोएडा- 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित. संपादक–संजय सहाय.

सितंबर, 2022

मूल संस्थापक : **प्रेमचंद : 1930**
पुनर्संस्थापक : **राजेन्द्र यादव : 1986**

पूर्णांक-431 वर्ष : 37 अंक : 2 सितंबर 2022

आवरण साभार : पुनीत यादव

के.शि.सं. अजमेर
दिनांक 08/9/2022
हस्ताक्षर

जनचेतना का प्रगतिशील कथा-मासिक

अतिथि संपादक : संजीव कुमार

इस अंक में

अतिथि संपादकीय

4. संविधान के सिर फोड़ा गया ठीकरा : संजीव कुमार

कहानियां

7. एक हंसोड़ का हलफनामा : पंकज मित्र
14. प्रतिबंधन : कुणाल सिंह
25. कुत्तागिरी बनाम लव जेहाद : टेकचंद

उपन्यास-अंश

36. सुर्खी में अनुपस्थित का हिस्सा : राकेश तिवारी
44. मायरा के सुसाइड नोट्स : संदीप मील

कविताएं

49. सविता सिंह
52. संजय कुंदन
54. आशीष त्रिपाठी
56. ज्योति चावला
57. निशांत
59. प्रमोद कुमार तिवारी
60. अदनान कफ़ील दरवेश
62. मनोज कुमार पांडेय

लेख

66. नेहरू से ऐसा डर क्यों ? : पुरुषोत्तम अग्रवाल
72. हिंदी-अंग्रेजी की नई आवा-जाही : हरीश त्रिवेदी
78. कैसा जश्न, किनका जश्न ? : अपूर्वानंद
81. नया भारत, नई कला ? : मनोज कुलकर्णी
89. कश्मीर : यूटोपिया से डिस्टोपिया तक का त्रासद सफ़र : अशोक कुमार पांडेय
99. अमृत महोत्सव में जल विमर्श : बजरंग बिहारी तिवारी
104. एक आंदोलन जो पटरी से उतर गया : सुजाता
111. आज़ाद भारत का टेलीविजन : विनीत कुमार
119. हसरतों का लोकतंत्र : रमाशंकर

लंबी कहानी

125. लाल कलकत्ता : प्रवीण कुमार

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

Journals of Computer Assisted Learning

Volume 38, Issue 4, August 2022

क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 26/9/2022
हस्ताक्षर

Contents

REVIEW ARTICLES

A systematic review of academic dishonesty in online learning environments
F.-K. Chiang, D. Zhu and W. Yu 907

Augmented reality technology in language learning: A meta-analysis
Y. Cai, Z. Pan and M. Liu 929

Do educational games affect students' achievement emotions? Evidence from a meta-analysis
H. Lei, C. Wang, M. M. Chiu and S. Chen 946

How differently designed guidance influences simulation-based inquiry learning in science education: A systematic review
Y. Sun, Z. Yan and B. Wu 960

ORIGINAL ARTICLES

Personalized refutation texts best stimulate teachers' conceptual change about multimedia learning
A.-S. Dersch, A. Renkl and A. Eitel 977

ARTICLES

Exploring the link between self-regulated learning and learner behaviour in a massive open online course
R. S. Jansen, A. van Leeuwen, J. Janssen and L. Kester 993

The interactive e-book and video feedback in a multimedia learning environment: Influence on performance, cognitive, and motivational outcomes
S. Yorganci 1005

Collaborative behavioural patterns of elementary school students working on a robotics project
B. Sisman, S. Kucuk and N. Ozcan 1018

Exploring learner motivation and mobile-assisted peer feedback in a business English speaking course
Q. Xu and H. Peng 1033

Dolos: Language-agnostic plagiarism detection in source code
R. Maertens, C. V. Petegem, N. Strijbol, T. Baeyens, A. C. Jacobs, P. Dawyndt and B. Mesuere 1046

Playing is just the beginning: Social learning dynamics in game communities of inquiry
E. Gandolfi 1062

Digital-first assessments: A security framework
G. T. L. Flair, T. Langenfeld, B. Baig, A. K. Horie, Y. Attali and A. A. von Davier 1077

Journal of Computer Assisted Learning Vol.38 No. 4 August, 2022

Re-viewing performance: Showing eye-tracking data as feedback to improve performance monitoring in a complex visual task
E. Kok, O. Hormann, J. Rou, E. van Saase, M. van der Schaaf, L. Kester and T. van Gog 1087

Beyond online search strategies: The effects of internet epistemic beliefs and different note-taking formats on online multiple document reading comprehension
Y.-H. Lee 1102

Immersive virtual reality for increasing presence and empathy
I. Han, H. S. Shin, Y. Ko and W. S. Shin 1115

Virtual reality enhances safety training in the maritime industry: An organizational training experiment with a non-WEIRD sample
G. Makransky and S. Klingenberg 1127

Self-concept but not prior knowledge moderates effects of different implementations of computer-assisted inquiry learning activities on students' learning
J. Richter, A. Lachner, L. Jacob, F. Bilgenroth and K. Scheiter 1141

The relationship between self-assessment and performance in learning TPACK: Are self-assessments a good way to support preservice teachers' learning?
A.-L. Max, S. Lukas and H. Weitzel 1160

Effect of teacher autonomy support on the online self-regulated learning of students during COVID-19 in China: The chain mediating effect of parental autonomy support and students' self-efficacy
X. Bai and X. Gu 1173

The integration of emerging technologies in socioeconomically disadvantaged educational contexts. The view of international experts
J. M. G.-V. García, M. García-Carmona, J. M. T. Torres and P. M.-Fernández 1185

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

कथादेश, वर्ष 40, अंक 6, सितम्बर, 2022

साहित्य, संस्कृति और कला का समग्र मासिक

कथादेश

क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 14/9/2022
हस्ताक्षर

वर्ष : 40 | पुनर्प्रकाशन वर्ष : 26 | अंक : 06 | सितम्बर 2022

हवा-पानी
4. मर्लिन शेल्डेके : *गुत्थमगुत्था जीवन (एंटेंगल्ड लाइफ) (अनुवाद : फ़जल रशीद)*
कहानियाँ
14. लक्ष्मेंद्र चोपड़ा : *उजले पंखों वाले कौए*
36. सुषमा मुनीन्द्र : *बताशा का बयान*
43. हर भगवान चावला की दस लघुकथाएँ
46. ऋतु त्यागी : *गुलमोहर*
54. कामेश्वर : *पथेरन की ध्यान-साधना*
76. भरत चन्द्र शर्मा : *माँ की बेंडी*
आत्मकथ्य
7. सारा राय : *एक रचनाकार की भाषा के भीतर और बाहर की यात्रा (अनुवाद : अर्पण कुमार)*
रेखाचित्र
27. अज़ीत कौर : *चिनाब की बेटी कृष्णा सोबती (अनुवाद : सुभाष नीरव)*
आलेख
68. बी. बी. उपाध्याय : *साक्षात्कार से साक्षात्कार*
धरोहर
52. बलभ्रद प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' : *चमार भाई; (कहानी) प्रस्तुति : भारतेन्दु मिश्र*
स्मृति
23. अशोक अग्रवाल : *तीन कालजयी भारतीय लेखक*
रंगमंच
80. विभांशु वैभव : *मेरे दुख मेरे साहस से बड़े नहीं*
यायावर की डायरी
97. सत्यनारायण : *फिर भी याद है कि आ रही है*
बारामासी (व्यंग्य)
95. ज्ञान चतुर्वेदी : *आजाद भारत की दो वनस्पति कथायें*
दलित प्रश्न
84. बजरंगबिहारी तिवारी : *नवजागरण, जाति के प्रश्न, हिंदी प्रदेश और डॉ. रामविलास शर्मा*
कविताएँ
50. *हेमंत देवलेकर की कविताएँ*
समीक्षा
91. डॉ. भूपेंद्र बिष्ट : *श्यामपुर चीनी मिल : दुरव्यवस्था और तिकड़म में भी रहता है जीवन*
92. मृत्युंजय श्रीवास्तव : *एक हथौड़ा वाल घर में और हुआ*
परिदृश्य
88. श्रीधरम : *साहित्य-समाचार*
कबियन की वार्ता
98. विश्वनाथ त्रिपाठी : *गांधी की याद*
लघुकथाएँ
41. सीमा वर्मा : *संवेदनाओं के स्वर*
48. महावीर राजी : *बीज*

कुल पृष्ठ संख्या : **96+4**

आवरण सहित समस्त चित्र
बंशीलाल परमार

सम्पादन-परामर्श
सुभाष पंत
हृषीकेश सुलभ
सत्यनारायण
योगेन्द्र आहूजा

संपादन-सहयोग
आनंद हर्षुल
शम्पा शाह
रश्मि रावत

सम्पादक
हरिनारायण

कानूनी सलाहकार
मनीष पाठक

प्रचार/प्रसार
मुदित

सम्पादकीय कार्यालय
एल-57 बी, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095
मो. : 7303401407, 7701938525
E- mail : kathadeshnew@gmail.com

कथादेश से सम्बन्धित सभी विवाद केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे.

शाखा कार्यालय
श्रीमती (डॉ.) स्मृति सिंह
सावित्री सदन, कबीर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर (राजस्थान)

इस अंक का मूल्य 50/-
मूल्य वार्षिक
(व्यक्तिगत) : 500/-
रजिस्टर्ड डाक से : 700/-
मूल्य वार्षिक
(संस्था तथा लाइब्रेरी) : 700/-
रजिस्टर्ड डाक से : 900/-
आजीवन सदस्यता : 10000/-
रजिस्टर्ड डाक से : 15000/-
वार्षिक (विदेश) : 60 डॉलर

सारे भुगतान चैक या बैंक ड्राफ्ट **कथादेश** के नाम से किये जायें.

मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक
हरिनारायण, एल-57 B, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095 द्वारा स्वास्तिक आफसेट, एम-120, नवीन शाहदरा. दिल्ली-110032 से मुद्रित.

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

मधुमती, वर्ष 62, अंक 9, सितम्बर, 2022

दे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 02/9/2022
हस्ताक्षर

क्रम

संपादक की बात

विशेष स्मरण

राजेन्द्र यादव होना हर किसी के बूते की बात नहीं है
सुभाष सिंगाठिया 11

कविता

नन्दकिशोर आचार्य 16
राजेश जोशी 20
मीठेश निर्मोही 22
मनोज कुमार शर्मा 24

लेख

विभाजित मस्तिष्क और उसकी फलश्रुतियाँ
माधव हाड़ा 26

हिन्दी की आत्मकथा और अर्द्धकथानक
रूपा सिंह 52

भाषा, अनुवाद एवं राजनीति
अनुराधा पाण्डेय 59

हिन्दी सिनेमा में तवाइफ़ों का चित्रण
प्रणु शुक्ला 69

रेत समाधि : लैंगिक सरहदों को तोड़ती गाथा
इन्दिरा 76

ईश्वर का अन्त और हिन्दी कविता
नीरज 83

आजादी की संकल्पना में लोककला का वर्तमान
अंकिता तिवारी 92

इतिहास लेखन में कस्तूरबा
चित्रा माली 98

जवाहरलाल नेहरू और संस्कृत
शुभनीत कौशिक 105

संस्मरण

मणिपुर का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है
सूर्यनारायण रणसुभे 113

कहानी

मौत का इन्तज़ार
बाबू राज के नायर 119

बाज़ी उलट गई
भगवान अटलानी 127

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

मधुमती, वर्ष 62, अंक 9, सितम्बर, 2022

अनुवाद

फुरसत
मूल राजस्थानी : मदन सैनी
अनुवाद : रामस्वरूप माली 134

समीक्षा

महागाथा की महाव्याख्या
अभिषेक मुखर्जी 139

समर्पण का सौंदर्य
कृष्ण बिहारी पाठक 146

इस जिंदगी के उस पार की कहानियाँ
तेजस पूनिया 153

संवाद निरन्तर 158
साहित्य समाचार 161
विज्ञप्ति 172

साहित्य अमृत वर्ष 28 अंक 2, सितम्बर, 2022

...द, अजमेर
दिनांक 02/9/2022

साहित्य अमृत मासिक

भाद्रपद-आश्विन, संवत्-२०७९ ❖ सितंबर २०२२

वर्ष-२८ ❖ अंक-२ ❖ पृष्ठ ८४ यू.जी.सी.-केयर लिस्ट में उल्लिखित ISSN 2455-1171

संस्थापक संपादक
पं. विद्यानिवास मिश्र

निवर्तमान संपादक
डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी
श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

संस्थापक संपादक (प्रबंध)
श्री श्यामसुंदर

प्रबंध संपादक
पीयूष कुमार

संपादक
लक्ष्मी शंकर वाजपेयी

संयुक्त संपादक
डॉ. हेमंत कुकरेती

उप संपादक
उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'

कार्यालय
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-०२
फोन : ०११-२३२८९७७७
०८४४८६१२२६९
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

शुल्क
एक अंक—₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

साहित्य अमृत के बैंक खाते का विवरण
बैंक ऑफ इंडिया
खाता सं. : 600120110001052
IFSC : BKID0006001

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी पीयूष कुमार द्वारा ४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२ से प्रकाशित एवं न्यू प्रिंट इंडिया प्रा.लि., ८/४-बी, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-IV, गाजियाबाद-२०१०१० द्वारा मुद्रित।

संपादकीय
विकासशील से विकसित की यात्रा में ४

प्रतिस्मृति
कफन चोर/ *धर्मवीर भारती* ६

कहानी
कैरियरिस्ट/ *रूपसिंह चंदेल* ८
तारणहार/ *सुनीता शानू* २०
प्रकृति का देवता/ *सुषमा मुनींद्र* ३८
डॉटर'स डे/ *पूजा महाजन* ७०

लघुकथा
नोक-झोंक/ *ऋचा उपाध्याय* ७१

आलेख
संयुक्त राष्ट्र की भाषा बने हिंदी/ *गौरीशंकर वैश्य 'विनम्र'* १२
कवि बनारसीदास के साहित्य में सामाजिक चेतना/ *निशांत जैन* २२
पारिवारिक विघटन रोकने में रामचरितमानस की भूमिका/ *श्रद्धा सक्सेना* २६
भारतीय शिक्षा, शिक्षण और इसकी चुनौतियाँ/ *राजेश कुमार ठाकुर* ४२
साहित्य की समृद्ध विधा 'दोहा' और कर्नल वशिष्ठ/ *विजय कुमार तिवारी* ४९
लोक-जीवन में देश-काल का चिंतन/ *मयंक मुरारी* ५८

कविता
अँजुरी भर गीत/ *विष्णु सक्सैना* १४
दोहों का संसार/ *उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'* २८
गजलें/ *रेणु हुसैन* ३३
ग़ज़लें/ *विज्ञान व्रत* ४१
अभी नींद से जागे हैं/ *प्रशांत उपाध्याय* ५५
आई नई हवाएँ/ *रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'* ५७
फिजीशियन एवं सर्जन/ *अनिल चतुर्वेदी* ६२
कविताएँ/ *ब्रज किशोर बख्शी* ६३
प्रोत्साहन स्नेह भूरि-भूरि/ *श्रीधर द्विवेदी* ७५

राम झरोखे बैठ के
मौसम के तेज-तर्रार तेवर/ *गोपाल चतुर्वेदी* ३०

संस्मरण
लता ताई/ *कानन झींगन* १६
मेरे आदर्श शिक्षक : मातादीन शर्मा/ *भैरूँलाल गर्ग* ३४

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व
पूमातै पोन्नम्मा/ *उण्णिकृष्णन मनक्कल* ४६

रेखाचित्र
तपन में डूबा उदास सूरज/ *अंजीव अंजुम* ५२

व्यंग्य
ऑनरेरी पी-एच.डी. का खुला रहस्य/ *आलोक सक्सेना* ५६

ललित-निबंध
महाश्वेता रात्रि में साहित्य-वीणा/ *श्रीराम परिहार* ६४

साहित्य का विश्व परिपार्श्व
घोड़ागाड़ी का स्टैंड/ *चार्ल्स डिकेंस* ६८

लोक-साहित्य
ब्रज के लोकगीतों में सामाजिक चेतना/ *हरदेव सिंह 'निमौतिया'* ७२

बाल-संसार
सर्वश्रेष्ठ सब्जी-फल/ *रेनू सैनी* ७४

वर्ग-पहेली ७६
पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ७७
साहित्यिक गतिविधियाँ ७९

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

Social Action Vol.72 No. 03 July- September,2022

क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 12/9/2022

SOCIAL ACTION

A Quarterly Review of Social Trends

JULY - SEPTEMBER 2022 **VOLUME 72** **NO. 03**

Guest Editors: S.R. Bodhi & Shaileshkumar Darokar

Ambedkar, Buddhism and Social Transformation

- Ambedkar, Buddhism and Social Transformation (Editorial) iii
  S.R. Bodhi & Shaileshkumar Darokar
- The Ambedkarite Worldview Post 1956: Some Reflections on its Theoretical Content 229
  S.R. Bodhi & Abhijit Bansode
- Dr. Ambedkar's Intellectual Engagements with Buddhism 242
  Pranjali Kureel
- Intersections between Nation and Spiritual Democracy: A Philosophic Inquiry from an Ambedkarite Perspective 256
  Santosh I. Raut
- Prabuddha Bharat: Babasaheb Ambedkar's Vision for a Democratic India 269
  Shaileshkumar Darokar
- Social Category, Social Structure and Social Transformation: Ambedkar's Approach to Social Justice 282
  Utkarsh Khobragade
- Navayana Buddhist Discourse as a Framework of Social Transformation 296
  Preethish Raja
- Ambedkar and Freedom of Mind: A Theoretical Retrospection from a Navayana Perspective 309
  Dinesh Chand
- Navayana Buddhism: Some Insights from Western Maharashtra 321
  Sujit Nikalje
- **Book Review** 335

LIBRARY, RIE, AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

University News Vol.60 No.34, 22-28 August, 2022

क्षे.शि.: ... , अजमेर
दिनांक 02/9/2022
हस्ताक्षर ...

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 August 22-28
No. 34 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education Published by the Association of Indian Universities

In This Issue

ITEMS	PAGE
Articles	
Financing of Higher Education through Education Loans in India: A Critical Analysis	3
Development of Distance Education in India	12
Mass Communication Education in India: Prospects and Challenges	20
Muskurayega India: An Initiative for Mental Health and Psycho-social Support	26
Convocation Address	
Indian Institute of Management, Calcutta	30
Campus News	35
Communication	39
Sustainable Infrastructure: A Path for the Future	
Theses of the Month (Social Sciences)	42
Advertisement	45

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

	Inland: Institutions	Inland: Academics/ Students (at residential address only)	Foreign: Airmail	Foreign: Surface Mail
	Rs.	Rs.	US$	US$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das
Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal
Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh
Editor:
Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Financing of Higher Education through Education Loans in India: A Critical Analysis

Md Asraul Hoque* and Krishnan Chalil**

The crisis in higher education financing can be solved magically with education loans. Even though it fills the gap between accessibility and sustainability, there are an increasing number of instances of education loan defaults. Developing human capital is essential as developing nations make the shift to capital-intensive, knowledge-based economies. An essential step in a country's development is having a well-developed and coordinated educational system. The country of India has a long history of changing its educational policy to meet the needs of the local labour market. Primary and lower secondary education are both required and free in this country. But most of the time, higher education is not free, and the student dropout rate is extremely high at this level of education. Such dropouts are caused by the opportunity cost of not attending school as well as the cost of education. The government offers student loans starting at the higher education level to help students who are at risk. This study looks at how higher education student loans might be changed in India. It also discusses how loans are now used to pay for education in the country's educational system, as well as the loan funds that are available and how they are doing right now. This article illustrates the generous nature of the Indian Student Loan Fund and the underdeveloped but constantly evolving loan recovery process through associated literature and document analysis.

A nation's ability to thrive and prosper economically depends on its higher education system. In (Peng Tan, 2006) notes that it is connected to economic development at both the macro and micro levels in terms of competitiveness, productivity, and economic growth. Many governments around the world fund higher education because it has been demonstrated to generate both private and public rewards. Enhancing a person's abilities and the likelihood of employment increases earning potential at the individual level. Additionally, technology gives people access to social networks that may be used for personal growth and fulfillment, and it enables them to work with more independence and creativity (Oreopoulos and Petronijevic, 2013). A more general observation is made by (Bloom et al. 2006) that "higher education may improve tax income, increase savings and investment, and contribute to a more enterprising and civic society. Additionally, it can enhance a country's health, help slow down population growth,

**ICSSR Doctoral Fellow, Department of Development Studies, School of Social Science and Policy, Central University of South Bihar (Gaya) Bihar- 824236. Email: mdasraul@cusb.ac.in*
***Professor & Head, Department of Development Studies, Dean, School of Social Science and Policy, Central University of South Bihar (Gaya) Bihar- 824236. Email: dean.sssp@cusb.ac.in*

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

University News Vol.60 No.35, 29 August-September 04, 2022

शै.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 03/9/2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 August 29-
No. 35 September 04, 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education Published by the Association of Indian Universities

In This Issue

Items	Page
Articles	
Sri Aurobindo: The Path Breaker	3
Perception of Students towards Competitive Examinations in India	15
Technostress and its Management in the Digital Era	22
From a Pioneering Institute of Social Work to World-Class Social Sciences University: The Travelogue of Tata Institute of Social Sciences	27
Convocation Address	
Bhagwant University, Ajmer, Rajasthan	31
Campus News	33
Theses of the Month (Humanities)	38
Advertisement	41

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

	Inland		Foreign	
Institutions	Academics/ Students *(at residential address only)*		Airmail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US$	US$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh

Editor:
Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Sri Aurobindo: The Path Breaker

M S Kurhade*

Sri Aurobindo Ghose who was born on 15th August 1872 was an Indian philosopher, *yoga guru, maharshi*, poet and Indian nationalist. He was also the Editor of the newspaper '*Vande Mataram*'. He was in the Indian movement for independence from British colonial rule and until 1910 he was one of its influential leaders and freedom fighters. Thereafter, he became a spiritual reformer, introducing his visions of human progress and spiritual evolution. On 5th December 1950, Sri Aurobindo left his body.

Aurobindo studied for the Indian Civil Service at King's College, Cambridge, England. After returning to India he took up various civil service works under the Maharaja of the Princely state of Baroda and became increasingly involved in nationalist politics in the Indian National Congress and the nascent revolutionary movement in Bengal with the Anushilan Samiti. He was arrested in the aftermath of a number of bombings linked to his organization in a public trial where he faced charges of treason for Alipore conspiracy. However, Sri Aurobindo could only be convicted and imprisoned for writing articles against British colonial rule in India. He was released when no evidence could be provided, following the murder of a prosecution witness, Narendranath Goswami during the trial. During his stay in the jail, he had mystical and spiritual experiences after which he moved to Pondicherry, leaving politics for spiritual work.

At Pondicherry, Sri Aurobindo developed a spiritual practice he called Integral Yoga. The central theme of his vision was the evolution of human life into a divine life in the divine body. He believed in a spiritual realization that not only liberated but transformed human nature, enabling a divine life on earth. In 1926, with the help of his spiritual collaborator, Mirra Alfassa (referred to as "The Mother"), Sri Aurobindo Ashram was founded. His main literary works are The Life Divine, which deals with the philosophical aspect of Integral Yoga, Synthesis of Yoga, which deals with the principles and methods of Integral Yoga, and Savitri: A Legend and a Symbol, an epic poem.

The Isha Upanishad is considered to be one of the most important and accessible writings of Sri Aurobindo. Before he published his final translation and analysis, he wrote ten incomplete commentaries. In a key passage, he points out that the Brahman or Absolute is both the stable and the moving. "We must see it in eternal and immutable spirit and in all the changing manifestations of universe and relativity". Sri Aurobindo's biographer K.R.S. Iyengar quotes R.S. Mugali as stating that Sri Aurobindo might have obtained in this Upanishad the thought-seed which later grew into The Life Divine.

* *Principal, D.T.S.S. College of Law, Malad (E), Mumbai-400097, Director, Sanskar Sarjan Education Society, Malad (E), Mumbai-400097 and President, Association of Non-Government Colleges, Mumbai. E-mail: principal@sanskarsarjan.org.*

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

University News Vol.60 No.36, September 05-11, 2022

के.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 12/9/2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 September 05-11
No. 36 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education Published by the Association of Indian Universities

In This Issue

Items	Page
Articles	
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan: Pioneer of Educational Thinking and Practice in Modern India	3
Teacher as a Learning Facilitator	11
From Theory to Practice of Teaching: A Teacher—Learner Perspective	13
Indian Teacher Education: Where and Whither To	21
Environmental Ethics among Teacher Trainees	31
Convocation Address Indian Institute of Information Technology Guwahati	34
Campus News	37
Theses of the Month (Science & Technology)	41
Advertisement	45

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

	Inland		Foreign	
	Institutions	Academics/ Students *(at residential address only)*	Airmail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US$	US$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh

Editor:
Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan: Pioneer of Educational Thinking and Practice in Modern India

Arnab Chowdhury* and Jayanta Kumar Mete**

"The true teachers are those who help us think for ourselves"

– Dr. Sarvepalli Radhakrishnan.

We, teachers, think of ourselves as great educators of modern society, but we really forget the pioneers in this field. Dr. Sarvepalli Radhakrishnan is one of the pioneers of modern education. Indian government introduced National Educational Policy in 2020, and all the educational boards are trying to implement all the ideas offered. We are now trying to implement "experiential learning" to make the learners understand the given topics in a much better way. According to Dr. Radhakrishnan just acquiring academic and professional knowledge is not education. Acclimatization of values and ideas, and building an initiative-taking character to face the hurdles of life is education[1]. He believed, "The importance of education is not only in knowledge and skill, but it is to help us to live with others."

Being an Idealist, he insisted on including Yoga, religion, morality, ethics, and Philo the sophy in the curriculum for the students. Even though there are different methods of teaching he insisted that lecture and demonstration methods cannot be used for teaching and only question answer method and discussion are methods through which education can be imparted. The best way students can learn is when they discuss a topic among peers and teachers[2].

In 1948 Dr. Radhakrishnan was appointed as the Chairman of The University Education Commission by the then Education Minister of India, Maulana Abul Kalam Azad. At that time, he was the Spalding Professor of Eastern Religions and Ethics at the University of Oxford. In his report, he mentioned a lot of things that were philosophically dominating in nature. Himself being philosophically religious in nature he quoted from the *Upanishads* that we humans are materialistic and try to take on bookish knowledge and we do not have any knowledge about ourselves. According to Plato we may know a lot of things and we may even discuss them, and refine them with our own perspectives but until and unless we know about ourselves, we are nothing but bewildered, we do not know what to do with the knowledge we have, whether to use it for good or bad. It is so because we have not been awakened yet in our inner self.

** Research Scholar, Amity Institute of Education, Amity University, Sector-125, Noida - 201303 (Uttar Pradesh).*
*** Professor, Department of Education, Faculty of Education, University of Kalyani, Nadia-741235 (West Bengal) E-mail: jayanta_135@yahoo.co.in*

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

University News Vol.60 No.37, September 12-18, 2022

क्षे.शि. अजमेर
दि. 26/9/2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 September 12-18
No. 37 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education Published by the Association of Indian Universities

In This Issue

Items	Page
Articles	
Indian Academics and Implementation of National Education Policy–2020: Challenges and Solutions	3
Significance of Literature Review in Research	11
Life Skill Education: Significance for the Young Minds	18
Tracing the Inclusion of Women with Disabilities in India	22
Convocation Address	
C.V. Raman Global University, Bhubaneswar	26
Campus News	29
Theses of the Month (Science & Technology)	33
Advertisement	37

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

Inland Institutions	Inland Academics/ Students (at residential address only)	Foreign Airmail	Foreign Surface Mail
	Rs.	US$	US$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh

Editor:
Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Indian Academics and Implementation of National Education Policy–2020: Challenges and Solutions

Haribhau R Bhapkar*

In the present era, the great legacy of ancient and perpetual Indian knowledge and thought guides every development and reform of educational policies across the globe. Enormous problems like the present pandemic fuel the importance of collaborative research that is based on the great foundation of multidisciplinary education. From this point of view, the Indian government has brought a new National Educational Policy—2020 (NEP—2020) that deals with the holistic and multidisciplinary progress of the students. But for the better implementation of the NEP-2020, there is a need to understand the existing Choice Based Credit System (CBCS) as NEP–2020 is a very advanced version of CBCS. Many disparities in the CBCS must be tackled before the implementation of NEP—2020. The meanings of grade points differ as per the rules and perceptions of the universities. Moreover, the equivalent percentages of CGPA are varied in the universities. That is as per the rules of academia, 9 CGPA is converted to an equivalent percentage from 76.8% to 95%, which is an injustice to all stakeholders. The present article is based on a study that attempts to define a new advanced academic credit system that is mathematically and pragmatically more precise when compared with the existing literature. By considering the all desired aspects, the paper defines the universal formula for the conversion of CGPA into an equivalent percentage. This work would give equal justice in NEP–2020 to all students and other stakeholders. This would be very helpful to industries, government agencies or offices, recruiters, and other related sectors to assess students on the same platform and give more justice to their talent.

The world is experiencing fast variations in the sphere of knowledge scenery. Due to the recent pandemic, the importance of collaborative research is observed to resolve social problems. So, there is a basic need for an individual to understand the multidisciplinary learning approach and methods. A researcher having profound knowledge of two emerging fields can perform better for the welfare of mankind or solve more difficult issues through an interdisciplinary approach. For example, if a researcher has the best knowledge of mathematics learned in health education, then he/she can apply it to design mathematical models, formulae, and prediction algorithms for the health or medical sciences (NEP, 2020).

The previous education policies had focused on the right to education, free and compulsory education, and many more. The National Education Policy–2020 (NEP–2020) envisions education

* *Professor in Mathematics, MITADT University's MIT School of Engineering, Loni Kalbhor, Pune - 412201(Maharashtra). E-mail: drhrbhapkar@gmail.com*

LIBRARY,RIE,AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

University News Vol.60 No.38, September 19-25, 2022

के.शि.सं. ..., अजमेर
दिनांक 26/9/2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 September 19-25
No. 38 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education Published by the Association of Indian Universities

In This Issue

ITEMS PAGE

Articles

University of Delhi Library: Celebrating the Century 3

Changing the Higher Education Landscape: Implementing the Mandate of National Education Policy—2020 9

Vision 2030 in Indian Higher Education 14

Attitude of Students of Old Styled Universities towards E-learning: A Study 19

Convocation Address

NALSAR University of Law, Hyderabad 23

Campus News 26

Theses of the Month (Social Sciences) 32

Advertisement 36

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

	Inland		Foreign	
	Institutions	Academics/ Students *(at residential address only)*	Airmail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US$	US$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh

Editor:
Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

University of Delhi Library: Celebrating the Century

Narender Kumar* and Lalita**

Higher Education in Delhi started with the establishment of St. Stephen College (1881). A few more colleges, namely Hindu College (1899), Lady Harding Medical College for Women (1916), and Ramjas College (1917), were also established before the first University – the University of Delhi – came into being in 1922. The University of Delhi was established by an Act of the Central Legislature, except for the Lady Harding Medical College for Women and three other colleges affiliated with the newly established University of Delhi. The University also started two faculties, i.e., Arts and Science, in the same year.

It started with a modest two faculties, three colleges, and about 750 students. Presently, the University of Delhi comprises 16 faculties, 86 departments, 20 centres, three institutes, and 91 colleges. Currently, it offers 540 undergraduate, postgraduate, M.Phil., PhD, certificate, and diploma programmes. The 2020-2021 annual report says that the University has enrolled 2,16,823 students as undergraduates and 30,366 as postgraduates in regular mode. 475 students have been registered for M. Phil and 4011 for PhD, and 5948 in certificate/ diploma/PG diploma. In informal mode, the University has enrolled 5,72,261 students for undergraduate and 33,967 for postgraduate programme (University of Delhi, Annual Report, 2020-21).

Journey of University of Delhi Library

The First Quarter (1922 – 1946)

The University of Delhi is celebrating the year 2022 as its centenary year, so as the Delhi University Library. Delhi University has been at the forefront of library matters in the country since 1922. The University library benefited from the wisdom of the most outstanding Indian Library Scientist and the Father of The Library Movement in India - Dr S.R. Ranganathan and Dr K.L Kaul. These great luminaries of the academic World of their times harboured an exciting vision of the importance of books and libraries, and all of them patronized the libraries in their respective ways. The present article attempts to pen down the historical journey of a hundred years of the Delhi University Library, highlighting the critical milestones.

The story of placing their patronage at the service of the libraries starts right from the first Vice Chancellor, Dr Hari Singh Gour (1922-26), whose devotion to libraries was an extreme passion to the extent that he chaired the meetings of the University Library Committee and bestowed care and consideration in laying the foundation of the office which is

* *Deputy Librarian (Consultant), South Campus, Benito Juarez Road, New Delhi-110021. E-mail: narenderkumar.1959@gmail.com*
***Assistant Librarian, Delhi Technological University, Bawana Road, Shahbad Daulatpur Village, Rohini, New Delhi-110042, Delhi. E-mail: lalitakumar69@gmail.com*